Std. 8, 9 : Shraddha Vasava, Jay Vasava Grand Father Name : Kanjibhai Vasava : As a proud grandparent, I extend my heartfelt congratulations to the respected Principal, dedicated teachers, and the entire school team for the grand success of the Annual Function based on the inspiring theme "Sampoorna Ramayana." My grandson Jay K.Vasava (std 9) and granddaughter Shraddha Vasava (std 8) are studying in this school, and seeing them perform with such confidence, discipline, and cultural understanding fills our family with immense pride and happiness.

सनातन संस्कारो की जीवंत पाठशाला बना नारायण विद्यालय श्री रामचरितमानस के भव्य मंचन ने मोहा मन भरुच का

आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों के संरक्षण का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नारायण विद्यालय ने एक बार फीर यह सिद्ध कर दीया है कि शिक्षा केवल पुस्तको और अंको तक सीमीत नहीं, बल्की संस्कार, चरित्र और जीवन द्दष्टि के निर्माण की सशक्त प्रक्रिया है । विद्यालय के वार्षिक सांस्कृतिक आयोजन के अंतर्गत 27 दिसंबर 2025 को प्रस्तुत श्री रामचरितमानस का संक्षिप्त लेकिन अत्यंत प्रभावशाली मंचन उपस्थिति अतिथियों के लिए एक भावनात्मक एवं आध्यात्मिक अनुभूति बन गया ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परम पूज्य त्रिलोचनादेवी साध्वीजी एवं श्री संतोषकुमार त्रिपाठीजी की गरीमामयी उपस्थिति ने आयोजन की गरीमा को और बढाया ।दोनो अतिथियों का विद्यालय के चेरमेन श्री हेमंतभाई प्रजापति द्वारा पारंपरिक सम्मान एवं आत्मीय स्वागत किया ।अपने उद्‌बोधन में अतिथियोंने विद्यालय के प्रयोसों की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में एसे सांस्कृतिक आयोजनों की अत्यंत आवश्यकता है, जो बच्चों को अपनी जडो से जोडे रखे ।

शिक्षा के क्षेत्र में गौरव की पहचान :

विद्यालय के डायरेक्टर श्री भगुभाई प्रजापति को शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट नवाचारी और मूल्यनिष्ठ कार्यों के लिए देश–विदेश में अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हो चूके है । यह उपलब्धि केवल विद्यालय ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र और समाज के लिए गौरव का विषय है ।उनके दूरदर्शी नेतृत्व में विद्यालय गुणवत्ता, अनुशासन और संस्कारों की त्रिवेणी को निरंतर सुद्दढ कर रहा है ।